2014 (A)

सामाजिक विज्ञान

प्रथम पाली (First Sitting)

समय : 2 घंटे 45 मिनट] [पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : 2013 (A) का निर्देश देखें।

ग्रुप-A : इतिहास (20 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

1. **जर्मन राइन राज्य का निर्माण किसने किया था?** 1
   (क) लूई 18वाँ (ख) नेपोलियन बोनापार्ट
   (ग) नेपोलियन III (घ) बिस्मार्क

2. **रम्पा विद्रोह कब हुआ?** 1
   (क) 1916 (ख) 1917 (ग) 1918 (घ) 1919

3. **सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें—** 1
   रूसी क्रांति के समय शासक ..... था।

4. **सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें—** 1
   बाल गंगाधर तिलक और ..... ने होमरूल आन्दोलन को शुरू किया।

निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें—

5. गैरीबाल्डी के कार्यों की चर्चा करें। 3
6. साम्यवाद एक नई आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था थी। कैसे? 3
7. 1929 के आर्थिक संकट के कारणों को संक्षेप में स्पष्ट करें। 3

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें—

8. असहयोग आन्दोलन के कारणों एवं प्रभावों का वर्णन करें। 7

अथवा,

राष्ट्रवाद के उदय के कारणों एवं परिणामों की चर्चा करें।

ग्रुप-B : भूगोल (20 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

9. **देश के बाँधों को किसने 'भारत का मंदिर' कहा था?** 1
   (क) महात्मा गाँधी (ख) डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद
   (ग) पंडित नेहरू (घ) स्वामी विवेकानन्द

10. **कॉवर झील किस जिला में स्थित है?** 1
    (क) दरभंगा जिला में (ख) भागलपुर जिला में
    (ग) बेगूसराय जिला में (घ) मुजफ्फरपुर जिला में

11. **सही शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति करें—**
    (i) उच्चावच प्रदर्शन के लिए हैश्यूर विधि का विकास ..... ने किया था। 1
    (ii) बिहार में सबसे अधिक आबादी वाला जिला ..... है। 1
    (iii) लौह अयस्क का उपयोग ..... उद्योग में किया जाता है। 1

निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें—

12. वन्य जीवों के ह्रास के चार प्रमुख कारकों का उल्लेख करें। 2

RAJ ONLINE SOLUTION

निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें—

13. बिहार के नहरों के विकास से संबंधित समस्याओं को लिखिए। 3

14. वायु परिवहन की प्रमुख विशेषताओं को लिखें। 3

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें—

15. गेहूँ के उत्पादन के लिए मुख्य भौगोलिक दशाओं का वर्णन करते हुए भारत के गेहूँ उत्पादक क्षेत्रों का उल्लेख करें। 7

अथवा,

पूरे पृष्ठ पर भारत का एक रेखा मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित को छायांकित कर नाम अंकित कीजिए—

(क) काडला बदरगाह (ख) बोकारो इस्पात संयंत्र

(घ) कोशी परियोजना (घ) गन्ना उत्पादक क्षेत्र।

अथवा,

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए— भारत के सूती वस्त्र उद्योग का वर्णन करें।

ग्रुप-C : लोकतांत्रिक राजनीति (17 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

16. "लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए शासन है।" यह कथन किसका है? 1

(क) जॉर्ज वाशिंगटन (ख) अब्राहम लिंकन

(ग) अरस्तू (घ) लॉर्ड ब्राइस

17. विहार में संपूर्ण क्रांति का नेतृत्व निम्नलिखित में से किसने किया? 1

(क) मोरारजी देसाई (ख) नीतीश कुमार

(ग) इंदिरा गाँधी (घ) जयप्रकाश नारायण

निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें—

18. संघ राज्य का अर्थ बताइए। 2

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें—

19. राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र का प्राण' क्यों कहा जाता है? 6

अथवा,

परिवारवाद और जातिवाद बिहार में किस तरह लोकतंत्र को प्रभावित करता है?

निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें—

20. बिहार में छात्र आंदोलन के प्रमुख कारण क्या थे? 2

निम्न प्रश्न का उत्तर 80 अथवा 100 शब्दों में दें—

21. लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है? 5

ग्रुप-D : अर्थशास्त्र (17 अंक)

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

22. सन् 2008-09 के अनुसार भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय है 1

(क) 22,533 रुपये (ख) 25,494 रुपये (ग) 6,610 रुपये (घ) 54,850 रुपये

23. निम्न में कौन-से देश में मिश्रित अर्थव्यवस्था है? 1

(क) अमेरिका (ख) चीन (ग) भारत (घ) इनमें से कोई नहीं

निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें—

24. उदारीकरण को परिभाषित करें। 2

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें—

25. मुद्रा के आर्थिक महत्त्व पर प्रकाश डालें। 6

A ONLINE SOLUTION

अथवा,

राज्यस्तरीय संस्थागत वित्तीय स्रोत के कार्यों का वर्णन करें।

निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें–

26. आय से आप क्या समझते हैं? 2

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें–

27. वर्तमान आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत में सेवा क्षेत्र पर क्या पड़ा? लिखें। 5

ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें–

28. सुखाड़ प्रबंधन का वर्णन करें। 4

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

29. **नदियों में बाढ़ आने का प्रमुख कारण क्या है?** 1

(क) जल की अधिकता (ख) नदी की तली में अवसाद का जमाव

(ग) वर्षा की अधिकता (घ) इनमें से कोई नहीं

30. **बाढ़ के समय लोगों को निम्न में से किस स्थान पर जाना चाहिए?** 1

(क) ऊँची भूमि वाले स्थान पर (ख) गाँव के बाहर

(ग) जहाँ हैं उसी स्थान पर (घ) खेतों में

उत्तर (Answers)

1. (ख) 2. (क) 3. जार निकोलस द्वितीय 4. एनी बेसेंट

5. इटली के एकीकरण में उसने जिस महान त्याग, नि:स्वार्थ भावना और अभूतपूर्व देशभक्ति का परिचय दिया। वह एक महान लड़ाकू था और तलवार के बल पर इटली का एकीकरण करना चाहता था। वह सशस्त्र क्रांति के द्वारा दक्षिणी इटली के रियासतों के एकीकरण तथा गणतंत्र की स्थापना करने का प्रयास कर रहा था। उसने अपने सैनिकों को लेकर इटली के प्रांत सिसली तथा नेपल्स पर आक्रमण किया। गैरीबाल्डी ने यहाँ जनता के समर्थन से गणतंत्र की स्थापना की और विक्टर एमैनुएल के प्रतिनिधि के रूप में वहाँ की सत्ता संभाली।

6. रूस में बोल्शेविक क्रांति के बाद स्थापित साम्यवाद एक नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था बनकर उभरी थी। इस व्यवस्था ने आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में पूँजीपतियों तथा कुलीन वर्ग का प्रभुत्व समाप्त कर दिया। इसी प्रकार उद्योग-धंधे के निजी सम्पत्ति होने से इनकी आर्थिक स्थिति अच्छी, सामाजिक हैसियत ऊँची तथा व्यक्तिगत जीवन विलासपूर्ण था। नई व्यवस्था में कृषि-भूमि को राज्य की संपत्ति घोषित कर किसानों में बाँट दी गई। इस प्रकार, साम्यवाद ने बिल्कुल नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था स्थापित की।

7. 1929-30 ई॰ के विश्वव्यापी आर्थिक महामंदी के अनेक कारण थे, जिनमें कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं—

(i) **खाद्यान्नों का अत्यधिक उत्पादन** : युद्ध के बाद बाजारों में खाद्यान्नों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई जिससे इनके मूल्य में कमी आ गई।

(ii) **अमेरिकी पूँजी में ठहराव** : प्रथम विश्वयुद्ध तक अमेरिका "विश्व कर्जदाता" बन चुका था। 1923 ई॰ के बाद अमेरिका के अर्थव्यवस्था पर भी संकट के बादल मँडराने लगे थे।

8. **असहयोग आंदोलन के कारण :** युद्ध समाप्ति के बाद सहयोगी गाँधी असहयोगी गाँधी बन गए। रॉलेट एक्ट, जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड, खिलाफत के प्रश्न पर सरकार के साथ गहरा मतभेद हो गया। कलकत्ता में काँग्रेस के विशेष अधिवेशन में गाँधीजी ने सरकार के साथ असहयोग और मॉण्ट-फोर्ड सुधार के अन्तर्गत निर्मित व्यवस्थापिका सभाओं के बहिष्कार का प्रस्ताव रखा। दिसम्बर, 1920 में काँग्रेस के नागपुर अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन प्रारंभ करने के प्रस्ताव पर भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

AMONLINESOLUTION

अथवा,

राज्यस्तरीय संस्थागत वित्तीय स्रोत के कार्यों का वर्णन करें।

निम्न प्रश्न का उत्तर 20 शब्दों में दें—

26. आय से आप क्या समझते है? 2

निम्न प्रश्न का उत्तर 100 अथवा 120 शब्दों में दें—

27. वर्तमान आर्थिक मंदी का प्रभाव भारत में सेवा क्षेत्र पर क्या पड़ा? लिखें। 5

ग्रुप-E : आपदा प्रबंधन (6 अंक)

निम्न प्रश्न का उत्तर 50 अथवा 60 शब्दों में दें—

28. सुखाड़ प्रबंधन का वर्णन करें। 4

निम्नांकित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

29. **नदियों में बाढ़ आने का प्रमुख कारण क्या है?** 1

(क) जल की अधिकता (ख) नदी की तली में अवसाद का जमाव

(ग) वर्षा की अधिकता (घ) इनमें से कोई नहीं

30. **बाढ़ के समय लोगों को निम्न में से किस स्थान पर जाना चाहिए?** 1

(क) ऊँची भूमि वाले स्थान पर (ख) गाँव के बाहर

(ग) जहाँ हैं उसी स्थान पर (घ) खेतों में

उत्तर (Answers)

1. (ख) 2. (क) 3. जार निकोलस द्वितीय 4. एनी बेसेंट

5. इटली के एकीकरण में उसने जिस महान त्याग, नि:स्वार्थ भावना और अभूतपूर्व देशभक्ति का परिचय दिया। वह एक महान लड़ाकू था और तलवार के बल पर इटली का एकीकरण करना चाहता था। वह सशस्त्र क्रांति के द्वारा दक्षिणी इटली के रियासतों के एकीकरण तथा गणतंत्र की स्थापना करने का प्रयास कर रहा था। उसने अपने सैनिकों को लेकर इटली के प्रांत सिसली तथा नेपल्स पर आक्रमण किया। गैरीबाल्डी ने यहाँ जनता के समर्थन से गणतंत्र की स्थापना की और विक्टर एमैनुएल के प्रतिनिधि के रूप में वहाँ की सत्ता संभाली।

6. रूस में बोल्शेविक क्रांति के बाद स्थापित साम्यवाद एक नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था बनकर उभरी थी। इस व्यवस्था ने आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में पूँजीपतियों तथा कुलीन वर्ग का प्रभुत्व समाप्त कर दिया। इसी प्रकार उद्योग-धंधे के निजी सम्पत्ति होने से इनकी आर्थिक स्थिति अच्छी, सामाजिक हैसियत ऊँची तथा व्यक्तिगत जीवन विलासपूर्ण था। नई व्यवस्था में कृषि-भूमि को राज्य की संपत्ति घोषित कर किसानों में बाँट दी गई। इस प्रकार, साम्यवाद ने बिल्कुल नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था स्थापित की।

7. 1929-30 ई॰ के विश्वव्यापी आर्थिक महामंदी के अनेक कारण थे, जिनमें कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं—

(i) **खाद्यान्नों का अत्यधिक उत्पादन** : युद्ध के बाद बाजारों में खाद्यान्नों की आपूर्ति आवश्यकता से अधिक हो गई जिससे इनके मूल्य में कमी आ गई।

(ii) **अमेरिकी पूँजी में ठहराव** : प्रथम विश्वयुद्ध तक अमेरिका "विश्व कर्जदाता" बन चुका था। 1923 ई॰ के बाद अमेरिका के अर्थव्यवस्था पर भी संकट के बादल मँडराने लगे थे।

8. **असहयोग आंदोलन के कारण :** युद्ध समाप्ति के बाद सहयोगी गाँधी असहयोगी गाँधी बन गए। रॉलेट एक्ट, जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड, खिलाफत के प्रश्न पर सरकार के साथ गहरा मतभेद हो गया। कलकत्ता में काँग्रेस के विशेष अधिवेशन में गाँधीजी ने सरकार के साथ असहयोग और मॉण्ट-फोर्ड सुधार के अन्तर्गत निर्मित व्यवस्थापिका सभाओं के बहिष्कार का प्रस्ताव रखा। दिसम्बर, 1920 में काँग्रेस के नागपुर अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन प्रारंभ करने के प्रस्ताव पर भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस

AAONLINESOLUTION

सहमत हो गई। इस प्रकार 1920 के बाद असहयोगी गाँधी के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी असहयोग आन्दोलन प्रारंभ हुआ।

प्रभाव : असहयोग आन्दोलन ने भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस को देशव्यापी और क्रांतिकारी संगठन में परिवर्तित कर दिया। असहयोग आन्दोलन के फलस्वरूप भारत में राष्ट्रीय चेतना जागृत हुई। सम्पूर्ण भारत के शिक्षित-अशिक्षित, शहरी और ग्रामीण सभी राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत दिखाई पड़ने लगे।

अथवा,

भारत में राष्ट्रवाद का उदय के कारण—

(i) **राजनीतिक कारण :** अंग्रेज भारत को वह राजनीतिक सत्ता प्रदान की जिसके आदेशों का देश के एक कोने से दूसरे कोने तक पालन किया जाने लगा। इस प्रकार भारत को राजनीतिक एकता प्राप्त हुई जिससे राष्ट्रीयता की उत्पत्ति तथा विकास में भारी सहयोग मिला।

(ii) **आर्थिक कारण :** आर्थिक शोषण असंतोष को जन्म देता है और असंतोष क्रांति का रूप धारण कर लेता है। कम्पनी शासनकाल से लेकर 1857 तक कई विद्रोह हुए। इन विद्रोहों में बिहार और बंगाल का नील विद्रोह एवं बंगाल के किसानों का पावना विद्रोह प्रमुख है।

(iii) **यातायात के साधनों का विकास :** यातायात के साधनों से सम्पूर्ण भारत के क्षेत्रों के बीच की दूरियाँ घटने लगीं, क्षेत्रीयता की भावना समाप्त हुई, एक केन्द्र दूसरे केन्द्र से जुड़ गए, एक राज्य दूसरे राज्य से जुड़ गया और राष्ट्रवाद के विकास में सहायक सिद्ध हुआ।

9. (ग) **10.** (ग) **11.** (i) लेहमान (ii) पटना (iii) इस्पात

12. वन्य जीवों के ह्रास के चार प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं—(i) मनुष्य ने अपने आवास, कृषि के विस्तार तथा उद्योगों की स्थापना के लिए वनों का विनाश किया है। (ii) मनुष्य द्वारा कृषि के विशिष्टीकरण का भी वन्य जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। (iii) कृषि में कीटनाशक रासायनिक दवाओं के छिड़काव से भी वन्य जीवों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। (iv) वन्य जीवों के शिकार के कारण भी बहुत सारे वन्य जीवों का 'अस्तित्व' समाप्त हो गया है या विलुप्त होने वाला है।

13. बिहार में सिंचाई के लिए नहर प्रमुख साधन है। यहाँ कुल सिंचित भूमि का 40.63 प्रतिशत भाग नहरों द्वारा सिंचित होता है। मैदानी भागों में नहरों का विकास अधिक हुआ, क्योंकि यहाँ पर समतल भूमि, मुलायम मिट्टी, विस्तृत कृषि क्षेत्र तथा सतत्वाहिनी नदियों द्वारा जल की आपूर्ति होती है। परन्तु दक्षिण गंगा के मैदान में नहरों के विकास में कई समस्याएँ हैं। दक्षिण गंगा के मैदान की नहरें छोटानागपुर पठार से निकलने के कारण बरसाती हैं। इनमें वर्षभर पानी नहीं रहता है। विगत कुछ वर्षों से पर्यावरणीय असंतुलन के कारण यहाँ की नहरों में पानी नहीं रहता है। दक्षिणी बिहार की जमीन ऊबड़-खाबड़, असमतल तथा पथरीली है, जहाँ नहर नहीं खोदी जा सकती। जहाँ नहरें खोदी गई हैं वहाँ की नहरों से जल रिसकर दोनों ओर की जमीन जलमग्न होकर बेकार हो जाती है। कई नहरों में गाद जमा हो गया है। अत: बिहार के नहरों के विकास से सम्बन्धित अनेक समस्याएँ हैं।

14. वायु परिवहन की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—(i) वायु परिवहन एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमनागमन का तीव्रतम साधन है। (ii) वायु परिवहन ने यात्रा समय को घटाकर दूरियों को कम कर दिया है। (iii) दूरवर्ती, दुर्गम और बीहड़ क्षेत्रों में वायुमार्ग सबसे उपयुक्त साधन है।

15. गेहूँ उपोष्ण कटिबंधीय उपज है। भारत में यह शीतकालीन उपज है। विश्व के गेहूँ उत्पादकों में भारत का स्थान दूसरा है। इसके लिए बोते समय 10° से 15° तथा पकते समय 20° से 25° सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है। 75 सेंटीमीटर वर्षा इसके उत्पादन के लिए उपयुक्त है। इसके लिए अच्छे जल निकास वाली उपजाऊ मिट्टियाँ आवश्यक हैं।

गेहूँ की खेती मुख्यत: पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में की जाती है। राजस्थान और गुजरात के कुछ चयनित क्षेत्रों में भी इसकी खेती की जाती है। बिहार और पश्चिम बंगाल दोनों मिलकर देश में गेहूँ के कुल उत्पादन का 8 प्रतिशत भाग उत्पन्न करते हैं। पश्चिमी बंगाल में गेहूँ की उपज प्रति हेक्टेयर बहुत अधिक है।

ANSWERSOLUTION

अथवा,

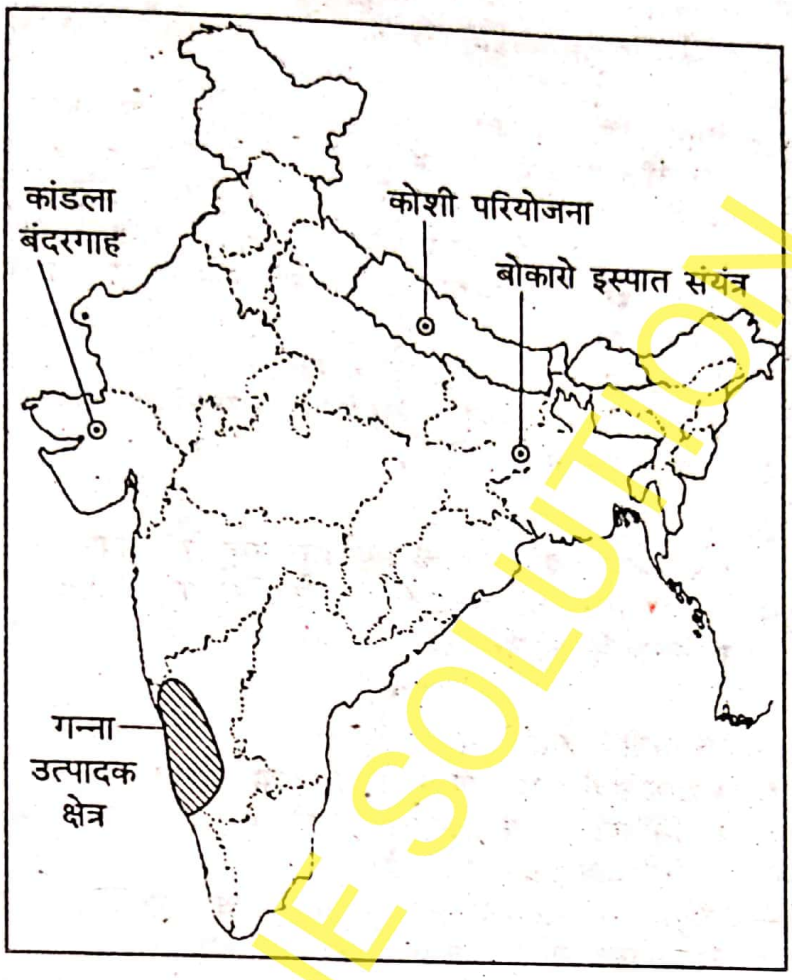

अथवा,

भारत में आधुनिक ढंग के सूती वस्त्र उद्योग के प्रथम सफल कारखाना 1854 ई॰ में मुम्बई में स्थापित की गई। देश के अधिकांश सूती वस्त्र मिलें महाराष्ट्र, गुजरात, प॰ बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पंजाब में मिलता है।

(i) **महाराष्ट्र** : देश में सूती वस्त्र उत्पादन में इसका प्रथम स्थान है। यहाँ मुम्बई, पूणे, शोलापुर, कोल्हापुर आदि में यह पाया जाता है। मुम्बई को सूती वस्त्र की राजधानी कहते हैं।

(ii) **गुजरात** : यहाँ महीन किस्म का कपड़ा बनाया जाता है। यहाँ के प्रमुख क्षेत्रों में सूरत, राजगीर, बड़ोदरा, पोरबंदर और अहमदाबाद का नाम आता है। अहमदाबाद को पूर्व बोस्टन कहा जाता है।

(iii) **प॰ बंगाल** : यहाँ बाजार को ध्यान में रखकर उद्योग की स्थापना की गयी है। यहाँ के प्रमुख केन्द्रों में हावड़ा, चौबीस परगना, मुर्शीदाबाद आदि।

(iv) **तमिलनाडु** : यहाँ सूती कपड़ों की सर्वाधिक मिलें हैं। यहाँ के प्रमुख केन्द्रों में कोयम्बटूर, चेन्नई आदि हैं।

16. (ख) **17.** (घ)

18. जब सत्ता का विभाजन क्षेत्राधीन स्वायत्तता, केंद्रीय राज्य या क्षेत्रीय स्तर एवं स्थानीय सरकारों के बीच वितरित कर दिया जाता है तो संघीय राज्य कहलाता है। इसमें सर्वोच्च सत्ता केन्द्र के पास रहती है।

19. राजनीतिक दल को 'लोकतंत्र का प्राण' कहा जाता है क्योंकि ये प्रतिनिधियों के निर्वाचन में मुख्य रूप से भाग लेते हैं और ये दल ही लोकतांत्रिक शासन को व्यावहारिक रूप प्रदान करते हैं। राजनीतिक दल ही जनता की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखते हैं तथा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हैं। राजनीतिक दल ही जनता को राजनीतिक प्रशिक्षण देते हैं। ये शासन को निरंकुश होने से रोकते हैं।

अथवा,

बिहार के लोकतंत्र में जातिवाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद जैसी बुराइयाँ हैं। यहाँ यह निर्णायक भूमिका निभाती है। परिवारवाद के चलते राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है। ऐसी परिस्थिति में

AAONLINE SOLUTION

भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति को सुदृढ़ बनाने के लिए कुछ लोग कानून का निर्माण कर इसे साफ-सुथरा बनाने की बात करते हैं। परन्तु वास्तविकता यह है कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का समाधान केवल कानून बनाने से नहीं होगा। जैसे हमारा संविधान अस्पृश्यता को नकारता है, फिर भी बिहार में आज भी अस्पृश्यता कायम है।

20. सन् 1974 मार्च के दौरान प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि एवं खाद्यान्न की कमी के चलते बिहार के छात्रों ने अपनी सरकार के विरोध में आन्दोलन छेड़ दिया। छात्रों ने श्री जयप्रकाश नारायण को इस आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित किया। जयप्रकाश जी इस आन्दोलन का नेतृत्व करने के लिए राजी हो गये वशर्ते यह आन्दोलन अहिंसक हो और यह अपने को बिहार तक ही सीमित नहीं रखें। इस प्रकार बिहार के छात्र आन्दोलन ने एक राजनीतिक स्वरूप ग्रहण किया। जयप्रकाश जी के निवेदन पर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से संबंधित लोग इस आंदोलन में कूद पड़े। जयप्रकाश जी ने बिहार की काँग्रेस सरकार को बर्खास्त की माँग कर सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सम्पूर्ण क्रांति का आह्वान किया जिसका उद्देश्य भारत में सच्चे लोकतंत्र की स्थापना था।

21. 2011 (A) के प्रश्न-संख्या 25 का उत्तर देखें।

22. (ख) **23.** (ग)

24. उदारीकरण का मतलब व्यापार एवं उद्योग को अवांछित सरकारी नियंत्रणों एवं पाबंदियों से मुक्त करना है। आर्थिक सुधारों के अन्तर्गत 1991 से सरकार ने उदारीकरण की नीति अपनायी।

25. 2013 (A) के प्रश्न-संख्या 26 का उत्तर देखें।

अथवा,

राज्यस्तरीय संस्थागत वित्तीय स्रोत के कार्य—

(i) **सहकारी साख समितियाँ** : सहकारी साख समितियाँ मुख्यत: किसानों तथा घरेलू एवं छोटे उद्योगों को ऋण देती हैं। ये समितियाँ कृषि के उपकरण खरीदने, मवेशी खरीदने, घरेलू एवं छोटे उद्योगों की स्थापना करने आदि के लिये ऋण प्रदान करती हैं।

(ii) **व्यावसायिक बैंक** : व्यावसायिक बैंक संगठित अथवा संस्थागत साख का सबसे प्रमुख साधन है। ये बैंक जनता तथा संस्थाओं से जमा प्राप्त करते हैं तथा उस जमा से ऋण देते हैं।

(iii) **भूमि विकास बैंक** : भूमि विकास बैंक किसानों को कृषि-कार्य के लिए दीर्घकालीन ऋण देते हैं जो 15 से 20 वर्षों तक के लिए होते हैं। ये किसानों की भूमि को बन्धक रखकर ऋण देते हैं।

(iv) **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक** : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना व्यावसायिक बैंकों के पूरक के रूप में की गई है। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की ऋण-सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ग्रामीण बैंकों की एक नयी योजना प्रारंभ की है।

26. आय, वर्ष भर में किसी व्यक्ति (या देश) द्वारा अर्जित आय की कुल मात्रा है।

27. भारत में विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पादन में कृषि एवं इससे सम्बद्ध व्यवसायों (प्राथमिक क्षेत्र) के योगदान में प्राय: कमी हुई है और द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों के योगदान में वृद्धि हुई है। 1950-51 में राष्ट्रीय आय में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 57.2 प्रतिशत था जो 2012-13 में घटकर 13.7 प्रतिशत हो गया। दूसरी ओर 1950-51 में राष्ट्रीय आय में द्वितीयक एवं तृतीयक अथवा सेवा क्षेत्रों का योगदान क्रमश: 14.8 प्रतिशत तथा 28 प्रतिशत था जो 2012-13 में बढ़कर क्रमश: 19.1 प्रतिशत तथा 67.2 प्रतिशत हो गया। इस प्रकार वर्तमान समय में राष्ट्रीय आय में योगदान के दृष्टिकोण से सेवा क्षेत्र अथवा तृतीयक क्षेत्र का स्थान प्रथम, द्वितीयक क्षेत्र का स्थान दूसरा तथा प्राथमिक क्षेत्र का स्थान तीसरा है। वर्तमान आर्थिक मंदी का कुप्रभाव भारत के सेवा क्षेत्र पर काफी हद तक पड़ा। महँगाई बढ़ गई, नौकरियों से लोगों को निकाला जाने लगा, आम आदमी को जीवन एवं परिवार चलाने में काफी कठिनाई महसूस होने लगी।

28. सूखा जल की कमी का परिणाम है। जल की प्राप्ति प्रधानत: वर्षा से होती है। वर्षा जल वायुमंडल तथा मृदा की नमी एवं धरातलीय जल स्रोतों को बनाए रखता है जिससे जैव जगत की आवश्यकता की आपूर्ति होती है। वर्षा न होने से सूखा की स्थिति प्रकट होती है, जिससे वनस्पतियाँ सूख जाती हैं और प्राणियों के लिए पेयजल की कमी हो जाती है। इससे आमलोगों के सामने, फसल न लगने से खाद्यान्न की कमी, पेयजल की कमी तथा मवेशियों के लिए चारे की कमी जैसी समस्या उत्पन्न हो जाती है।

सुखाड़ के निवारण के लिए पर्यावरण संतुलन और सिंचाई का विकास आवश्यक है। अधिकांश देशों में सूखे से बचाव के लिए प्रचलित तरीकों में राहत कार्य सर्वप्रमुख है। सूखाग्रस्त भागों में सूखा पीड़ित लोगों के लिए पेयजल, आहार तथा पशुओं के चारे की व्यवस्था की जाती है।

29. (ग) **30.** (क)

AAONLINESOLUTION